राष्ट्रीय

सहारा

ल अवशेष प्रबंधन जागरूकता लेकर हुए विविध कार्यक्रम रूर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं गेक विवि के अधीन संचालित नगर कृषि विज्ञान केन्द्र के संयोजन में त्रार को झाऊलाल गजोधन प्रसाद पीजी ज रसूलावाद में विविध जागरूकता ज्मों के आयोजन के साथ ही चेतना रैली नी गई। कार्यक्रम के तहत कॉलेज के के वीच स्लोगन, पोस्टर व निवंध गिता कराई गई। इनमें प्रथम तीन स्थान गले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र भी दिये केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने र्थियों को वताया कि फसल अवशेषों को में मिलाकर गेहूं की बुबाई करना बेहतर प है। उन्होंने धान की कटाई के उपरांत अवशेषों को जलाने के वजाय डी-र का प्रयोग कर से फसल अवशेषों को में वदलने पर जोर दिया। केन्द्र प्रभारी थिलेश वर्मा ने पोस्टर व निवंध गिता में तकनीकी जानकारी दी। र्थेयों व फसल अवशेष प्रवंधन का संदेश त करने को चेतना रैली भी निकाली। च्चों को डॉ.निमिषा अवस्थी, डॉ.अजय सिंह ने भी संवोधित किया।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमा दुडे

वर्षः १३

अंक:273

देहरादून, मंगलवार, २२ नवंबर, २०२२

पृष्टः ०८

छात्र-छात्राओं संग कृषि वैज्ञानिकों ने निकाली चेतना रैली

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत झाऊलाल गजोधर प्रसाद पीजी महाविद्यालय रसूलाबाद में स्लोगन,पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता संपन्न हुई।

जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने छात्र—छात्राओं को बताया कि फसल अवशेषों को खेत में मिलाकर गेहूं बुवाई की तकनीक पर काम करना बेहतर विकल्प है उन्होंने धान की कटाई के उपरांत फसल अवशेषों को जलाने के लिए डी कंपोजर के प्रयोग पर विशेष जोर दिया।

केंद्र की प्रभारी डॉ मिथिलेश वर्मा ने छात्र—छात्राओं को फसल अवशेष



विषय पर पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता के रूप में ज्ञानवर्धक तकनीकी भी बताई कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉक्टर शैलजा मिश्रा ने फसल अवशेष एवं किचन गार्डन के रखरखाव पर भी चर्चा की तत्पश्चात छात्र—छात्राओं द्वारा एक फसल अवशेष प्रबंधन के लिए चेतना रैली भी निकाली गई कार्यक्रम में डॉ निमिषा अवस्थी, डॉक्टर अजय कुमार सिंह एवं डॉ शशिकांत ने छात्र—छात्राओं को संबोधित किया इस अवसर पर समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सिहत लगभग 400 से अधिक छात्र—छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कारी नौकरी देने के लिए मिशन मोड में... 12

काशी तमिल संगमम में कलाकारों ने सुर लय...

10



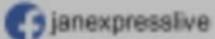
लखनऊ

वर्षः १४ । अकः ४३

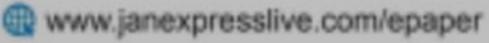
मृत्यः ₹3.00/-

पेज : 12

@janexpressnews







बुधवार । २३ नवम्बर, २०२२

फसल अवशेष प्रबंधन के लिए चेतना रैली निकाली



जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत मंगलवार को रसूलाबाद के पीजी महाविद्यालय में स्लोगन, पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय

स्थान पाने वाले छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने छात्र-छात्राओं को बताया कि फसल अवशेषों को खेत में मिलाकर गेहूं बुवाई की तकनीक पर काम करना बेहतर विकल्प है। डॉ.मिथिलेश वर्मा ने छात्र-छात्राओं को फसल अवशेष विषय पर पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता पर तकनीकी बताई। कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. शैलजा मिश्रा ने फसल अवशेष एवं किचन गार्डन के रखरखाव पर चर्चा की। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए चेतना रैली निकाली गई। कार्यक्रम में 400 से अधिक छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

फसल अवशेष प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम हेतु पोस्टर, चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन छात्र-छात्राओं संग कृषि वैज्ञानिकों ने निकाली चेतना रैली



दि ग्राम टुडे,कानपुर। कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर योजना अंतर्गत झाऊलाल

द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन

गजोधर प्रसाद पीजी महाविद्यालय रसूलाबाद में स्लोगन,पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने छात्र-छात्राओं को बताया कि फसल अवशेषों को खेत में मिलाकर गेहूं बुवाई की तकनीक पर काम करना बेहतर विकल्प है। उन्होंने ध ान की कटाई के उपरांत फसल अवशेषों को जलाने के लिए डी कंपोजर के प्रयोग पर विशेष जोर दिया। केंद्र की प्रभारी डॉ मिथिलेश वर्मा ने छात्र-छात्राओं को फसल

अवशेष विषय पर पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता के रूप में ज्ञानवर्धक तकनीकी भी बताई। कॉलेज की प्रध गानाचार्या डॉक्टर शैलजा मिश्रा ने फसल अवशेष एवं किचन गार्डन के रखरखाव पर भी चर्चा की। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा एक फसल अवशेष प्रबंधन के लिए चेतना रैली भी निकाली गई। कार्यक्रम में डॉ निमिषा अवस्थी, डॉक्टर अजय कुमार सिंह एवं डॉ शशिकांत ने छात्र- छात्राओं को संबोधित किया। इस अवसर पर समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित लगभग 400 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

छात्र-छात्राओं संग कृषि वैज्ञानिकों ने निकाली चेतना रैली

🔲 फसल अवशेष प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन



जागरूकता कार्यक्रम में शामिल छात्राएं।

कानपुर, 22 नवम्बर। कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत झाऊलाल गजोधर प्रसाद पीजी महाविद्यालय रसूलाबाद में स्लोगन,पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने

आज

वाले छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने छात्र-छात्राओं को बताया कि फसल अवशेषों को खेत में मिलाकर गेहूं बुवाई की तकनीक पर काम करना बेहतर विकल्प है।उन्होंने धान की कटाई के उपरांत फसल अवशेषों को जलाने के लिए डी कंपोजर के प्रयोग पर विशेष जोर दिया। केंद्र की प्रभारी डॉ मिथिलेश वर्मा ने छात्र-छात्राओं को फसल अवशेष विषय पर पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता के रूप में ज्ञानवर्धक तकनीकी भी बताई। कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. शैलजा मिश्रा ने फसल अवशेष एवं किचन गार्डन के रखरखाव पर भी चर्चा की। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा एक फसल अवशेष प्रबंधन के लिए चेतना रैली भी निकाली गई। कार्यक्रम में डॉ निमिषा अवस्थी, डॉ. अजय कुमार सिंह एवं डॉ शशिकांत ने छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। इस अवसर पर समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों सहित लगभग 400 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।